परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

जिसे पाने के आप योग्य भी नहीं थे!

शालोम,

प्रभु हमारी सहायता करे कि हम प्रतिदिन उसके सामर्थ्य को और अधिक समझ सकें

(इफिसियों 1:18–19).

एक समय ऐसा था जब यीशु ने धार्मिक नेताओं से कहा कि वे भ्रमित हैं,

क्योंकि—

“तुम न तो शास्त्रों को जानते हो और न ही परमेश्वर की
सामर्थ्य को।”

(मत्ती 22:29)

यह चेतावनी केवल फरीसियों के लिए नहीं थी — यह हमारे लिए भी है।

परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

बहुत-से विश्वासियों का संघर्ष इसलिए नहीं है कि परमेश्वर कमजोर है,

बल्कि इसलिए कि हमने उसकी सामर्थ्य, उसकी उदारता और उसकी प्रभुसत्ता पर भरोसा करना सीख नहीं पाया।

परमेश्वर की सामर्थ्य की सबसे अनदेखी सच्चाइयों में से एक यह है कि

वह उन लोगों को भी प्रतिफल देने के लिए स्वतंत्र है जो उसके योग्य प्रतीत नहीं होते —

सिर्फ इसलिए कि वे उसकी दाख-बारी में आ गए।

मजदूरों का दृष्टांत: ऐसा परमेश्वर जो योग्यता से बढ़कर प्रतिफल देता है

मत्ती 20:1–16 में यीशु उस स्वामी का दृष्टांत सुनाते हैं जिसने दिन के अलग-अलग समय पर मजदूरों को बुलाया।

□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□, □□□□ □□□□□□ □□, □□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□□

□□□□□□□□ □□ □□□□ □□ □□ □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□

□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□, □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□; □□ □□□□□□□ □□ □□□□:

> *“□□□□□□, □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□…*
>
> *□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□*
>
> *□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□?”*
>
> *(□□□□□□ 20:13–15)*

□□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□□□□□ □□:

1□ □□□□□□□□ □□□□□ □□□□□ — □□□□□□ □□

> “□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□ □□□□□□, □□ □□ □□□□ □□□□□□□...
>
> □□ □ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□ □ □□□□□ □□□□□□□□ □□,
>
> □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□”
>
> *(□□□□□□□□ 9:15–16)*

2□ □□□□□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□□□□□ □□□□□ □□

□□□□ □□ □□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□, □□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□ □□□□□□

□□□□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□:

> “□□ □□ □□ □□□□□ □□□□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□”
>
> *(□□□□□ 23:43)*

3□ □□□□□□□ □□ “□□□□□-□□□□□□□” □□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□ □□-□□ □□□□

□□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□, □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□□□ □□□

□□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□ —

□□□□□ □□□□ □□ □□□ □□□□□ □□, □□ □□□□□ □□ □□ □□□ □□

□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□:

> “□□□ □□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□”
>
> *(□□□□□ 19:27–28)*

□□□□□ □□□ □□□□ □□□ □□□□□□□□□□ □□ □□ □□□□ □□□:

परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

“जो जय पाएगा, उसे मैं अपने सिंहासन पर मेरे साथ बैठने
दूँगा…”

(प्रकाशितवाक्य 3:21)

इसका अर्थ:

•प्रेरितों की एक विशेष जिम्मेदारी है,

•परन्तु हर विश्वासयोग्य विश्वासी को भी आदर-स्थान मिल सकता है

—

केवल इसलिए कि परमेश्वर जिसे चाहता है उसे उठाता है

(देखें 1 शमूएल 2:7–8)।

आप परमेश्वर के लिए “बहुत देर” से नहीं आए

परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

शायद आप सोचते हों: “अब मेरे लिए क्या प्रतिफल बचा है?”

परन्तु परमेश्वर कहता है:

“मैं तुम्हारे वे वर्ष लौटा दूँगा जिन्हें टिड्डियों ने खा लिया।”

(योएल 2:25)

परमेश्वर एक क्षण में नष्ट हुए वर्षों को भी बहाल कर सकता है।

मुख्य बात यह नहीं कि आप कब आए — बल्कि यह कि

अब आप कैसे निष्ठापूर्वक सेवा करते हैं।

स्वयं को अयोग्य मत समझिए — आपकी जिम्मेदारी सेवा करना है;

प्रतिफल देना परमेश्वर की जिम्मेदारी है

परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

“यदि मन तैयार है, तो वही परमेश्वर को ग्रहणयोग्य है।”

(2 कुरिन्थियों 8:12)

इसलिए यदि आप बच गए हैं:

•राज्य के लिए कुछ कीजिए,

•सुसमाचार साझा कीजिए,

•दूसरों के लिए प्रार्थना कीजिए,

•परमेश्वर के कार्य का सहयोग कीजिए,

•अपने वरदानों का उपयोग कीजिए — चाहे छोटे ही क्यों न हों।

परमेश्वर निष्ठा को प्रतिफल देता है, प्रसिद्धि को नहीं।

परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

जो अब तक मसीह के बाहर हैं

कृपा का द्वार खुला है — पर सदा नहीं रहेगा:

“मनुष्यों के लिए एक बार मरना ठहराया गया है, उसके बाद न्याय।”

(इब्रानियों 9:27)

यीशु बुलाते हैं:

“मेरे पास आओ… और मैं तुम्हें विश्राम दूँगा।”

(मत्ती 11:28)

मन फिराइए, मसीह पर विश्वास कीजिए, और नए जीवन में चलिए

(प्रेरितों के काम 2:38; रोमियों 6:4).

परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

अंतिम प्रतिज्ञा

“देख, मैं शीघ्र आने वाला हूँ, और अपने साथ प्रतिफल लाता हूँ,

ताकि हर एक को उसके काम के अनुसार दूँ।”

(प्रकाशितवाक्य 22:12–13)

परमेश्वर विश्वासयोग्य प्रतिफल देता है।

उदारता से प्रतिफल देता है।

और अक्सर — हमारी योग्यता से कहीं बढ़कर।

शालोम।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

परमेश्वर आपको उस बात के लिए भी प्रतिफल दे सकता है

Share on:
WhatsApp